साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 79 | जौनपुर, शनिवार, 09 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

पूर्व सांसद हरिवंश सिंह, विधायक पुत्र रमेश सिंह समेत 3 जालसाजी में तलब

ब्यूरो प्रमुख /विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रे एमपीध्एमएलए कोर्ट अनुज कुमार जौहर ने शुक्रवार को अपना दल के पूर्व सांसद हरिवंश सिंह,उनके विधायक पुत्र रमेश सिंह व दुर्गेश सिंह के खिलाफ जालसाजी का प्रथम दृश्टया मामला पाते हुए तलब किया है।यह कार्रवाई दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता विनय कुमार सिंह व अन्य गवाहों के बयान पर हुई है। कोर्ट ने 7 दिसंबर 2024 तिथि नियत करते हुए तीनों आरोपियों के खिलाफ प्रासेस जारी किया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के ओलंदगंज मोहल्ले का है। हुसैनाबाद लाइनबाजार निवासी दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता विनय कुमार सिंह ने पूर्व सांसद हरिवंश सिंह, उनके पुत्र विधायक रमेश सिंह व दुर्गेश सिंह निवासी शाहगंज व लक्ष्य गुप्ता निवासी मोहल्ला अहमद खां मंडी के खिलाफ कोर्ट में परिवाद दाखिल किया था कि उसके पिता अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद सिंह ने जारिए मुख्तारआम मोहिनी श्रीवास्तव से 14 अगस्त 2006 को मकान नंबर 89ध्1 ओलंदगंज में खरीदा था जो नगर पालिका में दर्ज है।आरोपी विपक्षीगण मकान के आसपास की करीब 2100 वर्गफिट जमीन खरीदा परंतु विपक्षीगण कूटरचित दस्तावेज तैयार करके छल से परिवादी के मकान का भी क्षेत्रफल मिलाकर अपनी संपत्ति से अधिक 3400 वर्ग फिट क्षेत्रफल को लक्ष्य गुप्ता को विक्रय कर दिया। आरोपियों की 2100 वर्ग फिट ही जमीन है, लेकिन साजिश करके बगल के वादी के मकान को भी शामिल कर 3400 वर्ग फिट जमीन का बैनामा कर दिया।29 मई 2021 को करीब सात बजे वादी व भाई दयाशंकर ओलंदगंज में कांप्लेक्स पर मौजूद थे। इसी दौरान हरिवंश व उनके लड़के रमेश व दुर्गेश 7–8 हथियारबंद लोगों के साथ जेसीबी मशीन लेकर आए और कांप्लेक्स के बगल में मौजूद उनका मकान गिरा दिया। मकान से करीब दस लाख का सामान ट्रैक्टर से उठा ले गए। इस मामले में थाना लाइन बाजार व पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देने पर भी सुनवाई नहीं हुई। आरोपी आए दिन जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। परिवादी व गवाह रमाशंकर और राहुल ने कोर्ट में बयान दर्ज कराया। गवाहों के बयान के आधार पर कोर्ट ने प्रथम दृष्टया जालसाजी का मामला पाया।

जल प्रबंधन और जल संरक्षण के लिए यूपी को चार महीने में तीन पुरस्कार

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जल प्रबंधन और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उत्तर प्रदेश को चार महीने में तीन पुरस्कार प्रदान किये गए जिन्हें विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री को सौंपा। ग्रामीण इलाकों में घर–घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने के साथ जल संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में शानदार काम के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरा स्थान मिला। बीते दिनों (अक्तूबर) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह पुरस्कार उत्तर प्रदेश को प्रदान किया था जिसे गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपा गया। सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में उड़ीसा को पहला और गुजरात–पुडुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला था।

चार माह में उत्तर प्रदेश को मिले तीन पुरस्कार

जल जीवन मिशन के तहत उत्तर प्रदेश को चार माह में तीन पुरस्कार मिले। हर घर नल योजना के तहत उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक घरों तक नल से जल पहुंचाया गया।

उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। स्वच्छ गंगा मिशन के तहत गंगा स्वच्छता अभियान व अन्य नदी संरक्षण कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश को 13 जुलाई को स्कॉच गोल्ड अवार्ड मिला था। नोएडा इन्टरनेशनल ट्रेड शो–2024

में उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों और उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाने के लिए उत्तर प्रदेश को 27 सितंबर को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बेस्ट डिस्प्ले अवार्ड प्रदान किया था। यह अवार्ड भी विभाग के अफसरों ने मुख्यमंत्री को सौंपा। जल संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए 22 अक्तूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किया था। इस श्रेणी में उत्तर प्रदेश को दूसरा स्थान मिला था। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ प्र ने अपना यूनिक मोमेंटो बनाया है। इसे भी मुख्यमंत्री को सौंपा गया।

मुख्यमंत्री ने की तारीफ, नमामि गंगे के अफसरों की पीठ थपथपाई

मुख्यमंत्री को नमामि गंगे के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने यह पुरस्कार सौंपे। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति के अफसरों की पीठ थपथपाई साथ ही निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। हर घर नल के तहत ग्रामीण इलाकों में निरन्तर स्वच्छ जल पहुंचाया जाए।

भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति से सफाया होगा भ्रष्टाचार का - राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विश्वास व्यक्त किया है कि सरकार की भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त कर देगी। मुर्मू ने शुक्रवार को यहां सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारतीय समाज में ईमानदारी और अनुशासन को जीवन का आदर्श माना जाता है। लगभग 2300 साल पहले मेगस्थनीज ने भारतीय लोगों के बारे में लिखा था कि वे अनुशासनहीनता को नापसंद करते हैं और कानून का पालन करते हैं। उनके जीवन में सादगी और तपस्या सन्निहित है। फाहियान ने हमारे पूर्वजों के बारे में इसी तरह का उल्लेख किया है। इस संदर्भ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की

इस वर्ष की विषय वस्तु 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति' बहुत उपयुक्त है। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्वास सामाजिक जीवन की नींव है। यह एकता का स्रोत है। सरकार के काम और कल्याणकारी योजनाओं में जनता का विश्वास शासन की शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार न केवल आर्थिक प्रगति में बाधा है, बल्कि यह समाज में विश्वास को भी कम करता है। यह लोगों में भाईचारे की भावना को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। इसका देश की एकता और अखंडता पर भी व्यापक प्रभाव पड़ता है। हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर हम देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेते हैं। यह केवल एक रस्म तक सीमित नहीं है। यह गंभीरता से लिया जाने वाला संकल्प है।

इसे पूरा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुर्मू ने कहा कि नैतिकता भारतीय समाज का आदर्श है। जब कुछ लोग वस्तुओं, धन या संपत्ति के संचय को अच्छे जीवन का मानक मानने लगते हैं, तो वे इस आदर्श से भटक जाते हैं और भ्रष्ट गतिविधियों का सहारा लेते हैं। बुनियादी जरूरतों को पूरा करके आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने में ही वास्तविक खुशी है।

सपा से घबराई भाजपा – डिंपल

मैनपुरी, संवाददाता। मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने मुख्यमंत्री योगी के बयान पर पलटवार किया है। यूपी में महिलाओं पर अत्याचार दोगुनी रफ्तार से बढ़े हैं। सपा से भाजपा घबराई है। मूल मुद्दे से भटकाने के लिए बड़े प्लेटफार्म से छोटी बातें कर रहे हैं। डिंपल यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में हमारी बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। अगर आप एनसीआरबी के आंकड़े के देखेंगे तो पता चलेगा कि महिलाओं के अत्याचार और उत्पीड़न के मामले दोगुनी गति से बढ़ रहे हैं। वास्तव में भारतीय जनता पार्टी कहीं न कहीं समाजवादी से घबराई हुई है। इस वजह से सीम अनाप–शनाप बोल रहे हैं। जो मूल मुद्दे हैं, उसे पर ध्यान न देते हुए बड़े–बड़े प्लेटफार्म से छोटी–छोटी बातें कर रहे हैं। बनारस में लगे पोस्टर, जिसमें अखिलेश यादव को कृष्ण और राहुल गांधी को अर्जुन

की भूमिका में दिखाया गया है, पर डिंपल ने कहा कि मुझे नहीं पता है कि किस तरह के पोस्टर लगाए गए हैं और किसने लगाया है, तो मैं क्या कह सकती हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मैनपुरी–करहल विधानसभा के दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है, लोकसभा में भी आए थे। बगल से दूसरे प्रदेश के मुख्यमंत्री आए थे, अच्छी बात है यहां आकर देखें कि खाद की यहां कितनी किल्लत है, किस तरह किसान परेशान घूम रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

पार्टी कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं – केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व शुक्रवार को कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। केजरीवाल ने पार्टी कार्य कर्ताओं को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो संदेश में उनसे (कार्यकर्ताओं) अगले दो–तीन महीने चुनावों के लिए देने का आग्रह किया और कहा कि आप 'देश के लिए एकमात्र उम्मीद' है। उन्होंने कहा, आप हमारे देश के लिए एकमात्र उम्मीद है। मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि वे अगले दो–तीन महीने तक सब काम छोड़कर चुनाव के काम में लग जाएं। आप प्रमुख ने कहा कि पार्टी के खिलाफ जो ताकतें हैं वे विधानसभा चुनावों में हमें हराने के लिए कुछ भी करेंगी, लेकिन हम ऐसी ताकतों को जीतने नहीं देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आप भारतीय राजनीति में एक ताजी हवा का झोंका है जो स्वास्थ्य और शिक्षा, सड़क आदि के बारे में बात करती है।

पीएम मोदी गैर–भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव करते – खड़गे

वायनाड, एजेंसी। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार जोरों पर है। इस बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को वायनाड के नीलांबुर में प्रियंका गांधी वाड्रा के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर गैर–भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा ही गैर–भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव किया है। उन्होंने वायनाड में आई तबाही के बाद भी सहायता प्रदान करने की परवाह नहीं की, जबकि उन्होंने विनाशकारी भूस्खलन के बाद क्षेत्र का दौरा करते समय इसका वादा भी किया था। खड़गे ने रैली को संबोधित करते हुए कहा।

नोटबंदी विश्व का सबसे बड़ा घोटाला, इसके कारण भ्रष्टाचार बढ़ा – तेजस्वी

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर नोटबंदी को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज नोटबंदी की आठवीं बरसी है। नोटबंदी विश्व का सबसे बड़ा घोटाला है।

इसके कारण भ्रष्टाचार में बेतहाशा वृद्धि हुई। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने देशभर के प्रत्येक जिले में अपने लिए जमीनें खरीदी, फाइव स्टार कार्यालय बनवाए, हजारों करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। स्विस बैंकों में 2014 के बाद भारत का काला धन बढ़ा, आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोतरी हुई। सारे कथित भ्रष्टाचारी एजेंसियों के डर से भाजपा के साथ आ गए। भाजपा के लोगों को अपनी गलती को पहचाननी चाहिए। उन्होंने कहा कि नोटबंदी को लेकर क्या–क्या कहा जा रहा था और हुआ क्या। काला धन समाप्त हो जाएगा, आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। झारखंड चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव में अब चार दिन रह गए हैं। बिहार में भी चार सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। चुनाव में सभी लोग लगे हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि झारखंड में महागठबंधन की सरकार बनेगी और बिहार उपचुनाव में हम लोग चारों सीट जीतेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या तो हो गया काशी, मथुरा बाकी है वाले बयान पर उन्होंने कहा कि अयोध्या का परिणाम क्या रहा, यह सब चीज अब चलने वाला नहीं। नफरतों की राजनीति ज्यादा लंबी नहीं चलती।

सिर्फ दिखावे के लिए जेब में संविधान की किताब लेकर घूमते हैं - पीएम मोदी

महाराष्ट्र, एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के पहले दिन मुझे नासिक की पुण्य भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में राम मंदिर की 500 साल की प्रतीक्षा पूरी हुई, जब प्रभु राम एक बार फिर वापस आए, तब अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिनों के मेरे व्रत अनुष्ठान की शुरुआत यहीं नासिक से शुरू हुई थी। मुझे कालाराम मंदिर में सफाई और सेवा का अवसर भी मिला था। आज एक बार फिर शविकसित महाराष्ट्र और विकसित भारतश के लिए मैं नासिक का आशीर्वाद लेने आया हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश नए रिकॉर्ड बना रहा है, क्योंकि आज देश में गरीबों की चिंता करने वाली सरकार है। जब गरीब आगे बढ़ता है, तभी देश आगे बढ़ता है। इतने दशकों तक कांग्रेस और उसके साथियों ने गरीबी हटाओ का नारा दिया फिर भी गरीब रोटी, कपड़ा और मकान के लिए मोहताज रहा।

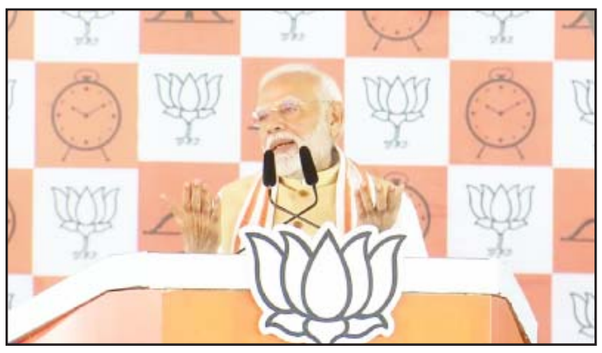

लेकिन बीते 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि आज आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स में महाराष्ट्र बहुत आगे है। यहां हाई–वे, एक्सप्रेस–वे बन रहे हैं। आधुनिक तकनीकी के क्षेत्रों में यहां निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई सरकार ये काम रोक दे, तो क्या महाराष्ट्र आगे बढ़ पाएगा, महाराष्ट्र के युवाओं को क्या रोजगार के अवसर मिल पाएंगे? अगर ये काम रूके तो महाराष्ट्र काफी पीछे छूट जाएगा। कांग्रेस और उसके साथी यही चाहते हैं, उनका यही एजेंडा है। महाराष्ट्र में कोई भी बड़ा काम होता है, तो ये लोग उसका विरोध करने आ जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अघाड़ी वाले लोग देश को पीछे करने का, देश को कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इन लोगों ने डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में देश को पीछे करने के लिए क्या कुछ नहीं किया। मोगी ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस और इसके साथियों को न बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की परवाह है, ना कोर्ट की और ना ही देश की भावना की। ये सिर्फ दिखावे के लिए जेब में संविधान की किताब लेकर घूमते हैं। ये कांग्रेस वाले ऐसे हैं, जिन्होंने 75 साल तक जम्मू–कश्मीर में बाबा साहेब के संविधान को लागू नहीं होने दिया। उन्होंने यह भी कहा कि दो दिन पहले जम्मू–कश्मीर की विधानसभा में आर्टिकल 370 को फिर से लागू करने के लिए हंगामा हुआ। ये लोग कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चाहते हैं कि जम्मू–कश्मीर से बाबा साहेब का संविधान हटा दिया जाए। ये लोग चाहते हैं कि दलितों को, वाल्मिकी समाज को जो आरक्षण 25 साल बाद मिला है, उसे छीन लिया जाए। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि जनता भी इनकी असलियत जान गई है। महाराष्ट्र की जनता भी देख रही है, एक तरफ महायुति का घोषणा पत्र है, तो वहीं दूसरी तरफ महाअघाड़ी का घोटाला पत्र है। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने कांग्रेस की हरकतों के कारण उसे पूरी तरह से खारिज कर दिया है। कांग्रेस अब ऑल इंडिया कांग्रेस नहीं बची।

बीजेपी की विचारधारा के कारण जला मणिपुर - राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज झारखंड के सिमडेगा में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि मैं आपको मणिपुर के बारे में बताता हूं। भाजपा ने मणिपुर को जला दिया और आज तक, भारत के प्रधान मंत्री ने वहां का दौरा नहीं किया है। इसका मतलब है कि उन्होंने इस बात को मान लिया है कि मणिपुर जैसा कोई राज्य नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा के कारण मणिपुर जला। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर यह देश चले, तो 90: लोग इस देश को चलाएं और बीजेपी चाहती है कि देश को 2–3 लोग चलाएं– पीएम नरेंद्र मोदी, एचएम अमित शाह, अंबानी और अडानी – और पूरे देश की संपत्ति, चाहे आपकी जमीन हो, चाहे जंगल हो – सब आपसे छीन लिया जाएगा और इन 10–15 बड़े अरबपतियों को दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 25 लोगों

का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया है। उनमें आपको एक भी आदिवासी, दलित या पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा। जब हम कहते हैं कि किसानों का कर्ज माफ होना चाहिए तो वो कहते हैं कि देखो राहुल गांधी किसानों की आदत खराब कर रहे हैं। जब आपने उनका कर्ज माफ किया तो क्या आपने उनकी आदतें खराब नहीं कर दीं? राहुल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि ये दलित और अल्पसंख्यकों के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की कोई भागीदारी नहीं है। देश के दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग के लोग सक्षम हैं। आप में कोई कमी नहीं है। आप हर तरह का काम कर सकते हैं, लेकिन आपके रास्ते को रोका जाता है। मैंने संसद में जातिगत जनगणना की बात उठाई तो नरेंद्र मोदी चुप हो गए। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग जहां भी जाते हैं, वो एक भाई को दूसरे भाई से, एक धर्म को दूसरे धर्म से, एक भाषा को दूसरी भाषा से लड़ाते हैं। इसलिए हमने भारत जोड़ो यात्रा की, जिसमें नारा था– नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलेंगे। जिससे हिंदुस्तान के लोग प्यार से एक साथ रहें। कांग्रेस नेता ने कहा।

भाजपा महाराष्ट्र का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध – शाह

महाराष्ट, एजेसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि 20 तारिख को पूरे महाराष्ट्र में मतदान होना है, और आप लोगों को इसमें निर्णायक भूमिका लेनी है। मैं डेढ़ महीने पहले महाराष्ट्र का दौरा कर रहा था। हर जगह एक ही बात है... लोग कह रहे हैं कि महायुती की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार है। राज्य में एनडीए की सरकार बना दीजिए, ये दोनों मिलकर महाराष्ट्र को नंबर 1 राज्य बनाने का काम करेंगे। अमित शाह ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने इसी संकल्प पर कायम हैं। आपको आने वाले चुनाव की जिम्मेदारी लेनी होगी। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास यात्रा जारी रहे। जम्मू कश्मीर विधानसभा में बवाल के बीच शाह ने कहा कि ये कश्मीर हमारा है या नहीं, आप हमें बताओ?

धारा 370 हटनी चाहिए थी या नहीं? ये कांग्रेस, एनसीपी, नकली शिवसेना... ये कहते हैं कि कश्मीर से धारा 370 नहीं हटनी चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा बनाए गए वक्फ बोर्ड के कुछ प्रावधानों से पूरा देश परेशान है। उसमें बदलाव लाने के लिए पीएम मोदी संसद में बिल लेकर आये। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मंदिरों समेत पूरे गांव और लोगों की जमीन को वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिया गया है।

संपादकीय

पाकिस्तान की राह पर कनाडा

कनाडा में जिस तरीके से खालिस्तानी अलगाववादियों व आतंकी तत्वों को खुल कर मनमानी करने का अधिकार मिलता जा रहा है और इस पर वहां की सरकार मौन साधे बैठी है उससे लगने लगा है कि दुनिया में पाकिस्तान के बाद कनाडा ऐसा देश है जो आतंकवाद को आतंकवाद को अपनी स्टेट पॉलिसी में शामिल करता जा रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थों की खातिर कनाडा की ट्रुडो सरकार 'गुड टेरोरिज्म–बैड टेरोरिज्म' का भेद करने की गलती कर रही है। कनिष्क विमान जैसी भयंकर आतंकी हमले की तपिश झेल चुके कनाडा को बहुत ही जल्द खालिस्तानी आतंकी भस्मासुर बने नजर आ सकते हैं, क्योंकि पाकिस्तान इसकी उदाहरण है कि दूसरों के घरों चिंगारी फेंकने वालों के खुद के घर में आग कैसे लगती है। कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं और इससे वहां रह रहा भारतीय समुदाय विशेषकर हिन्दू समाज इससे सर्वाधिक पीडिघ्त नजर आरहा है। तीन नवम्बर को वहां ब्रैम्पटन के मन्दिर में खालिस्तान के समर्थकों द्वारा हिन्दू मन्दिर में घुसकर लोगों के साथ हिंसा की गई। वहां परिवार सहित आए निहत्थे लोगों पर खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने लाठियां बरसाईं और आरोप है कि पुलिस के कुछ जवानों ने भी हिंसक भीड़ का साथ दिया। कनाडा में हिन्दू मंदिरों को निशाना बनाने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसी वर्ष जुलाई में एडमॉण्टन में स्वामीनारायण मन्दिर में तोडफोड़ की गई थी। मन्दिर के गेट और पीछे की दीवार पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक पोस्टर चिपका दिए गए थे। इस पर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीर भी लगी थी। सरी वेंकुवर का लक्ष्मी नारायण मन्दिर ब्रिटिश कोलम्बिया प्रांत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा हिन्दू मन्दिर है। यहां भी पिछले साल तोडफोड़ हुई थी। 2023 में विण्डसर में एक हिन्दू मन्दिर को क्षतिग्रस्त किया गया था, जिसकी व्यापक निन्दा हुई और कनाडाई और भारतीय दोनों अधिकारियों ने कार्रवाई की मांग की थी। इसी साल जनवरी में वहां गौरीशंकर मन्दिर में तोडफोड़ की गई। जनवरी में ही भगवान जगन्नाथ मन्दिर में भी तोडफोड़ की गई। मिसिसागा हिन्दू हेरिटेज में मुख्य कार्यालय व दानपेटी में तोडफोड़ की गई। जुलाई में रिचमण्ड हिल व महात्मा गांधी जी की प्रतिमा में तोडफोड़ की। पिछले साल अक्तूबर में डरहम में तीन हिंदू मंदिरों में तोडफोड़ की गई। दिसम्बर 2023 में वेंकुवर में लक्ष्मी नारायण मन्दिर के प्रधान श्रीशेष के घर पर 14 गोलियां बरसाई गईं। लक्ष्मी नारायण मन्दिर के बाहर रास्ता बन्द कर तनाव पैदा किया गया। पिछले साल ही दिसंबर में किचनर के राम धाम मन्दिर में तोडफोड़ की गई। वेंकुवर में नवरात्रों पर मन्दिर में चल रहे कार्यक्रम में खलल डालने की कोशिश, खालिस्तानियों ने मन्दिर के बाहर नारे लगाए। इस साल जनवरी में ब्रैम्पटन में हिन्दू मन्दिर की दीवार पर भारत विरोधी नारे लिखे गए। फरवरी में ओकविले में श्री वैष्णो देवी मंदिर में तोडफोड़ की गई। कनाडा के हिन्दुओं पर खालिस्तानियों के इस हमले की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने इस हमले को लेकर कहा है कि अब खालिस्तानियों ने हद पार कर दी है। वहीं, कनाडा के बीसी में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। हिन्दू समुदाय के लोग सडकों पर आए और कनाडा सरकार व खालिस्तानियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। बीसी की पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों का टकराव भी हुआ, रोचक बात है कि खालिस्तानी हमलावरों का साथ देने वाली कनाडा पुलिस ने यहां पर कई हिन्दुओं को घसीटकर न केवल पीटा बल्कि उठाकर गाडियों में ले गए। भारत सरकार ने ब्रैम्पटन में खालिस्तानी झंडे लेकर आये प्रदर्शनकारियों की ओर से एक हिन्दू मन्दिर में लोगों के साथ की गई हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम ब्रैम्पटन, ओंटारियो में हिन्दू सभा मन्दिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों की ओर से की गई हिंसा की निंदा करते हैं। इस बीच ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी एक कड़ा बयान जारी कर हिन्दू सभा मन्दिर पर भारत विरोधी तत्वों की ओर से किए गए हमले की निंदा की। कनाडा में भारत विरोध में जो कुछ हो रहा है उसकी पृष्ठभूमि तो दशकों पहले से तैयार हो रही थी, इस बात का पता कैप्टन अमरेन्द्र सिंह जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, उनके ब्यान से होता है। कै. अमरेन्द्र सिंह लिखते हैं 'कुछ वर्ष पूर्व जब मैं पंजाब का मुख्यमंत्री था, मैं उस देश में सिख उग्रवाद के प्रति कनाडा के दृष्टिकोण से अवगत था जो तेजी से बढ़ रहा था परन्तु जिस पर ट्रूडो ने न केवल आंखें मूंद लीं बल्कि अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने के लिए ऐसे लोगों को संरक्षण दिया। उन्होंने अपने रक्षामंत्री, एक सिख को पंजाब भेजा पर मैंने उससे मिलने से इनकार कर दिया क्योंकि वह खुद विश्व सिख संगठन का सक्रिय सदस्य था, जो उस समय खालिस्तानी आंदोलन की मूल संस्था थी और जिसकी अध्यक्षता उसके पिता ने की थी। कुछ महीने बाद ट्रूडो भारत आए थे और उन्होंने मुझसे मिलने से इनकार कर दिया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने ट्रुडो से बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा था कि जब तक आप मुख्यमंत्री से नहीं मिलेंगे, तब तक आप पंजाब का दौरा नहीं कर सकते। हम अमृतसर में मिले, उनके रक्षामंत्री सज्जन सिंह के साथ। मैंने उन्हें कनाडा से पंजाब की समस्याओं के बारे में खुलकर बताया कि कनाडा खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलन का स्वर्ग बन गया।

विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

ललित

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात–घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप–मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू–कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़–चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू–कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन–सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए। भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत–सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू–कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूंबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू–कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए। विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू–कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधान सभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया। नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं। मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने भर से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टूकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है। अनुच्छेद 370 को लेकर कश्मीर की जनता और राजनेताओं, दोनों को समझना ही होगा कि 70 साल तक विशेष दर्जा होने के बावजूद इससे राज्य का कोई बहुत भला नहीं हुआ। देश की मूल धारा से कटकर यह प्रांत अंधेरों से घिरा रहा है। हिंसा एवं आतंकवाद की त्रासदी को झेलते हुए विकास एवं शांति की बाट जोहता रहा है। अब विशेष दर्जा हटाने का राज्य को बहुत लाभ मिला है, वहां विकास एवं जनकल्याण के काम तेजी से हो रहे हैं, न केवल विकास योजनाएं आकार ले रही है, बल्कि वहां शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना है, आतंकवादी घटनाओं पर भी नियंत्रण किया जा सका है। मोदी की सरकार ने जम्मू–कश्मीर के विकास को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया है। देश के साथ दुनिया को यह संदेश दिया गया कि कश्मीर में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं, कश्मीर भारत का ताज है और हमेशा रहेगा। घाटी के राजनीतिक दलों को वहां के अवाम के हित में सोचना चाहिए। क्योंकि अनुच्छेद 370 के खत्म होने से राज्य का कोई नुकसान हुआ, ऐसा नहीं दिखता। इसलिए जम्मू–कश्मीर को अब ऐसी राजनीति की जरूरत है, जो विशेष दर्जे से इतर तरक्की का नया खाका खींचे। अनुच्छेद 370 का खत्म होना इसलिये ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि वहां के लोगों ने साम्प्रदायिकता, राष्ट्रीय–विखण्डन, आतंकवाद तथा घोटालों के जंगल में एक लम्बा सफर तय करने के बाद अमन–शांति, सौहार्द एवं विकास को साकार होते हुए देखा है। उनकी मानसिकता घायल थी तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। जम्मू–कश्मीर में शांति और सौहार्द के साथ लोकतंत्र और विकास की नई इबारत लिखी गयी है। जम्मू–कश्मीर को अशांत और संवेदनशील क्षेत्र बनाए रखने की कोशिश में लगे तत्वों एवं राजनीतिक दलों से सावधान रहने की जरूरत है, भले ही वे नेशनल कॉन्फ्रेंस हो या पीडीपी या अन्य पाकिस्तान परस्ती राजनीतिक दल।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा

आदित्य

स्कूली शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न पहलों के बावजूद भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह मुद्दा जटिल है और सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक और ढांचागत कारकों से प्रभावित है। यहां कुछ प्रमुख पहलू दिए गए हैं। 1. सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाएँ पितृसत्तात्मक मानदंडरू कई ग्रामीण समुदायों में, लड़कियों की तुलना में लड़कों को शिक्षित करने को अधिक प्राथमिकता दी जाती है। यह प्राथमिकता उन पारंपरिक विचारों में निहित है जो भविष्य में कमाने वाले के रूप में लड़कों को प्राथमिकता देते हैं। जल्दी विवाहरू लड़कियों पर अक्सर जल्दी विवाह करने का दबाव डाला जाता है, जिससे उनकी शिक्षा में कमी आती है। ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह की औसत आयु शहरी क्षेत्रों की तुलना में कम है, और इसका सीधा असर लड़कियों की माध्यमिक या उच्च शिक्षा पूरी करने की संभावनाओं पर पड़ता है। सुरक्षा संबंधी चिंताएँरू माता–पिता अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं, खासकर यदि स्कूल दूर हों, जिसके कारण कुछ परिवार अपनी बेटियों को यात्रा–संबंधी सुरक्षा समस्याओं के जोखिम के बजाय घर पर ही रखते हैं। 2. आर्थिक बाधाएँ गरीबीरू कई ग्रामीण परिवार गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं और अपने बच्चों की शिक्षा के बजाय काम को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे मामलों में, लड़कियों को अक्सर घरेलू काम–काज या परिवार की आय में योगदान देने का काम सौंपा जाता है, जिससे शिक्षा कम सुलभ हो जाती है। शिक्षा की लागतरू जबकि प्राथमिक शिक्षा अक्सर मुफ्त होती है, माध्यमिक शिक्षा में वर्दी, किताबें और परिवहन की लागत शामिल हो सकती है, जो गरीब परिवारों को लड़कियों को स्कूल भेजने से हतोत्साहित करती है। 3. बुनियादी ढांचे की चुनौतियाँ स्कूल की उपलब्धतारू कई ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक विद्यालयों तक पहुंच सीमित है या बिल्कुल नहीं है, जिससे छात्रों को लंबी दूरी तय करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो लड़कियों के लिए एक बाधा है। शौचालय और स्वच्छता सुविधाओं की कमीरू अपर्याप्त स्वच्छता, विशेष रूप से लड़कियों के शौचालयों की कमी, उन किशोरियों के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा है जो मासिक धर्म के दौरान स्कूल छोड़ सकती हैं या असुविधा और शर्मिंदगी के कारण पूरी तरह से पढ़ाई छोड़ सकती हैं। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तारू ग्रामीण स्कूलों में अक्सर योग्य शिक्षकों और संसाधनों की कमी होती है। शिक्षक, विशेष रूप से महिला शिक्षक, दुर्लभ हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है और शिक्षा क्षेत्र में लड़कियों के रोल मॉडल को सीमित करता है। 4. सरकार और एनजीओ प्रयास बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओरू इस पहल का उद्देश्य सुरक्षा और शिक्षा दोनों पर ध्यान केंद्रित करके लड़कियों की स्थिति में सुधार करना है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जो सामाजिक दृष्टिकोण और शिक्षा पहुंच दोनों को लक्षित करता है। मध्याह्न भोजन योजना निःशुल्क भोजन प्रदान करके, यह कार्यक्रम स्कूल में उपस्थिति को प्रोत्साहित करता है। कई परिवारों के लिए, यह भोजन लड़कियों सहित अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ये आवासीय विद्यालय विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों की लड़कियों के लिए हैं और इनका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा में नामांकन दर में सुधार करना है। एनजीओ कार्यक्रमरू कई एनजीओ छात्रवृत्ति, जागरूकता अभियान और जमीनी स्तर के आंदोलनों के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए काम करते हैं, जिसमें अक्सर मानसिकता बदलने के लिए समुदाय के सदस्यों को शामिल किया जाता है। 5. सकारात्मक प्रभाव और भविष्य का दृष्टिकोण लड़कियों की शिक्षा से बेहतर आर्थिक अवसर मिलते हैं, स्वास्थ्य में सुधार होता है और बाल विवाह की दर में कमी आती है, जिससे पूरे समुदाय के लिए लाभ का एक चक्र बनता है। बेहतर बुनियादी ढांचे, अधिक प्रोत्साहन और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण भारत में लड़कियों के सामने आने वाली अनोखी बाधाओं को दूर करने से दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन हो सकता है। कुल मिलाकर, जबकि भारत ने लड़कियों की शिक्षा में प्रगति की है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य बाकी है। व्यवस्थित परिवर्तन और निरंतर सामुदायिक सहभागिता एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए महत्वपूर्ण है जहां लड़कियां पूरी तरह से शिक्षा तक पहुंच सकें और लाभ उठा सकें।

फेस्टिवल में चल गई बसें

घाटे का हिमाचल पथ परिवहन निगम फेस्टिवल सीजन में कुछ आर्थिक सांसें लेने में कामयाब रहा, तो इसके मायने गंभीरता से समझने होंगे। सरकारी बसें अगर अक्तूबर में 76 करोड़ कमा सकती हैं, तो अन्य महीनों में कमर क्यों टूट रही है। दरअसल निगम अगर हिमाचली परिवहन की मांग को समझे तथा इसी के अनुरूप चले तो कमाने की व्यवस्था बन सकती है, लेकिन जिस ढर्रे और बुनियाद पर एचआरटीसी अपनी प्राथमिकताएं तय करती है, वहां घाटे के बिखराव में सारी मेहनत बेकार हो रही है। एक बस के ऊपर औसतन जितना स्टाफ व अधिकारी नियुक्त हैं, उसे देखते हुए कोई आदर्श स्थापित करना मुश्किल है। जाहिर है अक्तूबर में अंतरराज्यीय रूटों पर सरकारी बसों ने ज्यादा यात्री ढोए, लेकिन इस सेवा का पूर्ण विकल्प होता, तो कहानी गौण हो जाती। यह इसलिए कि लंबे रूटों पर भी सरकारी बसों का हुलिया बिगड़ा हुआ है। अक्तूबर की कमाई में दूर बैठे हिमाचली की उम्मीदें हैं या लौटने के रास्ते यूं भी कट जाते हैं। हर सप्ताहांत निजी छोटे वाहनों की शेयरिंग कैपेस्टी में, उपलब्ध ऐप कितनी मंजिलें उपलब्ध करा रही है, यह आधुनिक परिवहन का एक सशक्त विकल्प है। रोज निजी वोल्वो पर सवार होता हिमाचल अपने साथ पर्यटन और पर्यटक को जोड़ लेता है। इसलिए अगर अक्तूबर महीना एचआरटीसी को आशाजनक रहा, तो परिवहन की आशा हर दिन प्राइवेट बसों में क्यों बैठती है। अक्तूबर माह विभिन्न प्रदेशों को दौड़ी निजी बसों की कमाई और शुमारी ने खुद को पहली पसंद बनाए रखा तो जाहिर तौर पर, उस हिसाब में परिवहन की क्षमता का

लेखा–जोखा भी तो होना चाहिए। प्रमुख पर्यटक स्थलों से निकली वोल्वो बसों ने इस बार भी दिल्ली लूटी है, तो इस प्रतिस्पर्धा में आंसू पौंछ कर कुछ नहीं मिलेगा। खास तौर पर वोल्वो बसों की सरकारी सेवा में हारतीं सीटें, सरकारी बर्ताव, रखरखाव और यात्री सुविधाओं की कमजोरी दिखाई देती है। बेशक एचआरटीसी आम हिमाचली की गाड़ी है, लेकिन पर्यटन की बढ़ती क्षमता में सरकारी बसों की हिस्सेदारी क्यों घट रही है, इसके ऊपर विचार करना होगा। अगर एचपीटीडीसी और एचआरटीसी हाथ मिलाएं तथा दोनों की क्षमता को जोड़ते हुए साझी मार्किटिंग का हुनर दिखाएं, तो पर्यटन के हर पहलू में दोनों का आर्थिक उजाला होगा। मसलन एचआरटीसी के ट्रैवल पैकेज में दिन का भ्रमण अगर परिवहन निगम सुनिश्चित करते हुए रात्रि विश्राम सरकारी होटल में कराए, तो इस युगलबंदी को छूने के लिए निजी क्षेत्र को भी मेहनत करनी होगी। एचआरटीसी के पास तमाम बस स्टैंड कल के मॉल, महापार्किंग स्थल और पर्यटन केंद्र बन सकते हैं, बशर्ते संपत्तियों के इस्तेमाल का नजरिया बदले। एचआरटीसी अपने तौर पर प्रदेश में भोजनालय शृंखला खड़ी करके यात्री और यात्रा के बीच एक अनूठा सामंजस्य पैदा कर सकती है। इसी तरह अंतरराज्यीय मार्गों पर अगर यात्री सुविधाएं प्रदान करने की मिलकीयत में एचआरटीसी निवेश करे, तो सरकारी बसों के साथ भरोसा बढ़ेगा। एचआरटीसी की सफलता के मानक अलग नहीं हो सकते और न ही निजी ट्रांसपोर्ट को देखे बिना यह आगे बढ़ पाएगी। प्रदेश के समूचे परिवहन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देकर परिवहन निगम का नेतृत्व करने के लिए जनता का विश्वास, नवाचार, ऊर्जा, यात्री संवेदना और व्यापारिक उद्देश्य अर्जित करने पड़ेंगे।

बाइडेन से ज्यादा बेहतर साबित हो सकते हैं अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

राजेश

अमेरिका में अब हम लोकतंत्र का एक विकृत संस्करण देख सकते हैं। इसमें डोनाल्ड ट्रंप एक सख्त अधिनायक के रूप में विश्व मंच पर अवतरित होने के लिए तैयार हैं। अपने बयानों और टिप्पणियों से ट्रंप यह सिद्ध कर चुके हैं कि उनके भीतर एक शातिर तानाशाह मौजूद है। इसलिए वह खुले आम कहते हैं कि मेक्सिको सीमा बंद करने के मामले में वे तानाशाह हो जाएंगे। वे प्रचार अभियान में कह चुके हैं कि 2020 में हारने के बाद उन्हें व्हाइट हाउस खाली नहीं करना चाहिए था। यानी पराजय के बाद वे जो बाइडेन की जीत को खारिज कर रहे थे। इस तरह का बयान कोई सामंती प्रवृति वाला इंसान ही दे सकता है। यह प्रमाणित तथ्य है कि पिछले कार्यकाल में उन्होंने 21500 से अधिक झूठ बोले थे। अर्थात 21 झूठ प्रतिदिन। किसी भी सभ्य लोकतंत्र में सामूहिक नेतृत्व, सचाई और ईमानदारी सबसे जरूरी तत्व होते हैं और डोनाल्ड ट्रंप में इन तीनों का अभाव है। इसीलिए संसार के सबसे अमीर लोकतंत्र की जड़ें सूखते हम बीते आठ बरस से देख

रहे हैं। बराक ओबामा का कार्यकाल लोकतांत्रिक नजरिए से अमेरिका का अंतिम माना जा सकता है।

कई सारे सवाल

सवाल यह है कि दुनिया की चौधराहट की कमान डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में आने के बाद वैश्विक राजनीति पर क्या असर पड़ेगा ? भारत जैसे एशिया के ताकतवर मुल्क के प्रति उनका रवैया कैसा रहेगा? रूस से दोस्ती तथा चीन से चिढ़ जारी रहेगी? क्या यूरोप के देश अगले चार बरस भी अमेरिका के पिछलग्गू बने रहेंगे ? इन प्रश्नों का उत्तर यकीनन भविष्य के गर्भ में है।लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल को ध्यान में रखते हुए कोई विश्लेषण करें तो कहा जा सकता है कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने रवैए में आमूल चूल बदलाव नहीं किया तो विश्व पंचायत के इस मुखिया की प्रधानी खतरे में है। अमेरिका तमाम राष्ट्रों को आर्थिक मदद या फौजी ताकत के बल पर ही संसार पर अपना रौब बनाए हुए है। ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति इसमें बड़ी बाधा बन सकती है। चौधराहट तो पैसे से खरीदी जाती है। अमेरिका अब अंटी ढीली नहीं करेगा तो उसकी कौन सुनेगा ? एक बानगी ही पर्याप्त होगी। ट्रंप कह चुके हैं कि वे एक दिन में रूस – यूक्रेन जंग रोक देंगे।अमेरिका अब तक इस जंग में 10 अरब डॉलर यूक्रेन पर खर्च कर चुका है। यदि वे अब यूक्रेन को सहायता बंद करते हैं तो निश्चित रूप से जंग एक दिन में रुक जाएगी और रूस को जीतने में एक – दो दिन ही लगेंगे।मगर,तब नाटो देशों का क्या होगा? क्या वे ठगा हुआ नहीं महसूस करेंगे ? अमेरिका अपने पिछलग्गुओं को खो देगा। वैसे भी यूरोपीय यूनियन के अनेक सदस्य ट्रंप विरोधी हैं। यही हाल एशिया का है। पिछली बार वे भारतीय मूल के मतदाताओं को रिझाने के लिए भारत से गलबहियां डाले रहे। लेकिन ईरान से सस्ता तेल आयात बंद करने के लिए भारत को उन्होंने ही मजबूर किया था। इसके अलावा भारत ने चार दशक के प्रयासों के बाद ईरान में चाबहार बंदरगाह बनाया। ट्रंप ने भारत के उस बंदरगाह से कारोबारी इरादों पर ताला जड़ दिया। ईरान भारत का सदियों से शुभचिंतक रहा है। मुस्लिम जगत में वह शिया बाहुल्य अकेला देश है ,जो भारत को समर्थन देता रहा है और सुन्नी देशों से बैर मोल लेता रहा है। भारत में शिया मुस्लिम अच्छी खासी संख्या में हैं।

अफगानिस्तान के मामले में भी ट्रंप भारत का सार्वजनिक उपहास करते रहे हैं। अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत के प्रयासों की खिल्ली उड़ाते हुए उन्होंने कहा था कि जितना भारत इस मुल्क पर खर्च करता है ,उतना तो अमेरिका एक घंटे में कर देता है। क्या भारत के हितों की रक्षा के लिए वे ईरान से प्रतिबन्ध हटाएँगे ? कभी नहीं। भारत के आयात शुल्क पर भी वे खुश नहीं रहे। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान बांग्लादेश में हिन्दुओं के असुरक्षित होने की बात कहकर भारतीय वोटों को लुभाने का प्रयास किया था,लेकिन परदे के पीछे की कहानी अलग है। यह अमेरिका ही था ,जिसने सैनिक अड्डे के लिए सेंट मार्टिन द्वीप नहीं देने पर शेख हसीना की निर्वाचित सरकार गिराई थी। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री (निर्वाचित नहीं) अमेरिका के पिछलग्गू हैं। उन्हें अमेरिका ने ही नोबेल पुरुस्कार दिलाया था। लेकिन वे भी सेंट मार्टिन द्वीप सौंपने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप का बयान एक तरह से उनके लिए चेतावनी था। क्या राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप अमेरिका की प्राथमिकता छोड़ देंगे ?

पाकिस्तान के प्रति रुख

अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप बयानों के जरिए पाकिस्तान की आलोचना करते थे और परदे के पीछे पाकिस्तान को मदद करते रहे। क्या इतिहास के पन्नों से वे यह अध्याय अलग कर सकेंगे कि जब अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के लिए तालिबान से गुपचुप वार्ताएं हो रही थीं तो उन्होंने भारत को अलग थलग कर रखा था। पाकिस्तान बढ़ चढ़ कर उनकी सहायता कर रहा था। दरअसल ट्रंप एक धूर्त कारोबारी हैं। वे जानते हैं कि हिन्दुस्तानी सियासतदानों को पाकिस्तान की आलोचना सुनना बहुत अच्छा लगता है। अपने देश का नुकसान करा के भी वे पाकिस्तान की बुराई सुनना चाहते हैं। इसलिए ट्रंप भारत के साथ अपनी दोहरी नीति नहीं छोड़ेंगे। अब यह भारत पर निर्भर है कि वह मिथ्याभाषी शासन प्रमुख के साथ कैसे संबंध रखता है। इन सबके बावजूद डोनाल्ड ट्रंप जो बाइडेन से बेहतर राष्ट्रपति साबित हो सकते हैं । जो बाइडेन के जमाने में अमेरिकी रफ्तार जैसे ठहर गई थी। वे आंतरिक समस्याओं का समाधान नहीं खोज सके। मित्र राष्ट्रों को प्रसन्न नहीं रख पाए। वह तो कमला हैरिस का अपना अभियान ही था ,जिसने शर्मानक हार से मुकाबले को सम्मानजनक बनाया। यदि वे महिला नही होतीं तो सौ फीसदी राष्ट्रपति बन जातीं।

यातायात माह दिवस के तहत यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर कसा शिकंजा

अयोध्या। शनिवार को यातायात माह दिवस के तहत सभी थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संबंधित थानों के प्रभारी निरीक्षक तथा थाना अध्यक्ष के अलावा यातायात प्रभारी के साथ–साथ यातायात कर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियम के प्रति जागरूक किया। इस दौरान जो भी वाहन चालक सीट बेल्ट, व हेलमेट का प्रयोग नहीं किए थे उनका तो चालान यातायात व पुलिस कर्मियों द्वारा किया ही गया साथ ही साथ जिन वाहनों मे नंबर प्लेट का गलत दुरुपयोग दिखा उन पर भी शिकंजा कसा।पुलिस कर्मियों व यातायात पुलिस अयोध्या व अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने, ड्रिंक एंड ड्राइव, तीन सवारी, बिना हेलमेट, काली फिल्म तथा नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाने वाले वाहनों के खिलाफ नियम अनुसार कार्यवाही की गई।कोतवाली नगर क्षेत्र के अलावा थाना कैंट पूरा कलंदर, हैदरगंज,बीकापुर,गोसाईगंज, इनायत नगर,कुमारगंज,पटरंगा, बाबा बाजार, महाराजगंज, अयोध्या कोतवाली, राम जन्मभूमि,तारुन सहित सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।इस मौके पर यातायात पुलिस अयोध्या द्वारा यातायात माह के तहत वाहन चालकों को पोस्टर, बैनर, पंपलेट आदि के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने के लिए शपथ दिलाई गई।

जौनपुर की बिटिया अन्वी ने बढ़ाया जनपद का मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उदय की इन किरणों को ये बादल क्या रोकेंगे... यह पंक्तियां जौनपुर की बिटिया अन्वी सोनकर पर बिल्कुल सटीक बैठती है। नईगंज निवासी शैलेश सोनकर की प्रतिभाशाली बेटी ने एक बार फिर न सिर्फ अपना, परिवार बल्कि पूरे जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। अन्वी की प्रतिभा, लगन और मेहनत की बदौलत जौनपुर की झोली में एक और सिल्वर मेडल आया है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश रोलर स्पोर्ट चौंपियनशिप में अन्वी ने हासिल किया है। अन्वी की इस सफलता पर उसके माता–पिता, परिजन और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है।

बातचीत के दौरान अन्वी ने अपनी इस सफलता का श्रेय गुरुजनों, माता–पिता और परिजनों को दिया है। उसने बताया कि अभी तो यह शुरुआत है। आगे चलकर उसे गोल्ड लाना है। उसने दंगल फिल्म का डॉयलाग बोलते हुए कहा कि म्हारी छोरियां छोरो से कम हैं के...। उन्होंने कहा कि हम भी किसी से कम नहीं है। अभी और मेहनत करनी है और बहुत आगे जाना है। उनके पिता शैलेश सोनकर ने कहा कि बिटिया ने नाम रौशन किया है। मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं कि जो बेटियों को कम आंकते हैं वह आज हमारी बिटिया से उदाहरण ले सकते हैं। हमारी बिटिया ने हमारा सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। इसकी सफलता पर हमें नाज हैं। इस इसी क्षेत्र में अभी और आगे बढ़ाना है ताकि एक दिन जनपद का ही नहीं प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश का नाम रौशन करें।

पद्म भूषण शारदा सिन्हा को स्वरांजलि के साथ कलाकारों ने किया समापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भोजपुरी विकास मंच एवं छठ पूजा समिति जौनपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय छठ महोत्सव में गायक कलाकारों के छठ गीतों से जौनपुर गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित अतिथियों और कलाकारों ने दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात चिर शेष भोजपुरी स्वर कोकिला पद्म भूषण शारदा सिन्हा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। जौनपुर के नमामि गंगे (भामाशाह) घाट पर आयोजित छठ महोत्सव में अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान गुरुवार की शाम कलाकारों ने छठ और धार्मिक गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर क्षितिज शर्मा, प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या व समाजसेवी अनुराग सिंह, ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

देवी गीत गायक अवधेश पाठक, विवेक मिश्रा वरदान ,गुलाब राही, विकास रागी, राजेश तिवारी रत्न, राहुल पाठक और सविता पाठक, चिंटू सरगम, सविता गुंजन, राजेश चौबे छठ गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। संगीत घराने से जुड़े सूर्य प्रकाश मिश्र बल्ला गुरु और उनके नन्हें पुत्र वेद प्रकाश 1 और परम शिष्य वेद प्रकाश 2 के तबला वादन ने लोगों की खूब तालियां बटोरी। इस दौरान श्रद्धालु अंकिता उपाध्याय और उनके भतीजे श्रेयांश तिवारी ने भी छठ गीत सुनाया। सभी कलाकारों को मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह व लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य आर एन त्रिपाठी, नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, युवा समाजसेवी अनुराग सिंह,डॉ क्षितिज शर्मा, डॉ राम सूरत मौर्य और पप्पू माली ने कलाकारों को माल्यार्पण के पश्चात स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

भोजपुरी विकास मंच की ओर से कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार सिंह, सह संयोजक राहुल सिंह, विवेक मौर्य, वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह, भूपेंद्र सिंह, सुधांशु सिंह,संजय सिंह, वीरेंद्र सिंह, नीलमणि सिंह, अजय सिंह मास्टर, राजकुमार रघुवंशी, आदित्य निकुंभ, आलोक गुप्ता, बृजेश मौर्या, उर्वशी सिंह, बीना सिंह, शशिबाला सिंह आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट किया। शुक्रवार की तड़के छठ महोत्सव की शुरुआत रिटायर्ड जिला जज अजय श्रीवास्तव,व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदू पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेंद्र वीर विक्रम सिंह (बाबा भैया) , कथावाचक रजनी कांत द्विवेदी, सोमेश्वर केसरवानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। वाराणसी से आई प्रख्यात शास्त्रीय गायिका विदुषी वर्मा के राग जौनपुरी और छठ गीत से हुआ। आशीष पाठक अमृत, मनोज सोनी कोमल, विवेक मिश्र वरदान, अवधेश पाठक, आल्हा गायिका कुसुम लता सोनकर, मितुल माहिया, राहुल चंद्रा, ज्योति सिंह बुलबुल बृजेश बाबा, आदि ने छठ गीतों की शानदार प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । सभी कलाकारों और आयोजन मंडल के सदस्यों गौतम गुप्ता, राहुल सिंह , मनीष राय, राजू सिंह मास्टर, गोविंदा मिश्रा, नवीन सिंह, प्रतीक सिंह को अतिथियों द्वारा और भोजपुरी विकास मंच की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। पत्रकार संजय अस्थाना और वंदेश सिंह , दीपक सिंह पत्रकार और सलमान शेख को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। घाटों पर साफ सफाई की अच्छी व्यवस्था के लिए सफाई निरीक्षक अनिल कुमार और सफाई सुपरवाईजर मोहम्मद शाहिद समेत 4 सफाई मित्रों को भी सम्मानित किया गया। महोत्सव का संचालन अवनींद्र तिवारी और सलमान शेख ने संयुक्त रूप से किया। छठ महोत्सव के समापन पर सभी अतिथियों और कलाकारों द्वारा एक साथ पद्म भूषण स्वर कोकिला शारदा सिन्हा जी को स्वरांजलि दी गई।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की समन्वय बैठक संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई की राम वाटिका परिसर में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की शाहाबाद तहसील इकाई द्वारा आयोजित समन्वय बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने तथा संगठन के राष्ट्रव्यापी विस्तारीकरण पर चर्चा हुई। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के लखनऊ मंडल अध्यक्ष अतुल कपूर को कर्नाटक राज्य के प्रभारी बनाए जाने के उपरांत शाहाबाद में प्रथम बार आगमन पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष एवं लखनऊ मंडल प्रवक्ता अम्बरीष कुमार सक्सेना के नेतृत्व में समस्त स्थानीय पत्रकारों ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि कपूरजी के द्वारा जनपद ही नही बल्कि प्रदेश के कई जिलों में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। लखनऊ मंडल के अध्यक्ष के साथ ही उन्हें कर्नाटक राज्य के प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने उन्हें कर्नाटक राज्य का प्रभारी मनोनीत किया है। इसके अतिरिक्त लखनऊ मण्डल उपाध्यक्ष अशरफ अली खां, इजहार खां एवं सैय्यद रईस अली ने भी उनका स्वागत करते हुए बधाई दी, व संगठन को मजबूत बनाने के लिए विचार व्यक्त किये। श्री कपूर ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश में इस समय पत्रकारों का सबसे बड़ा संगठन है। अब उत्तर प्रदेश ही नहीं वरन देश के आठ राज्यों में एसोसिएशन की प्रदेश इकाइयों के गठन का कार्य प्रारंभ हो गया है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने अब तक जितने भी संघर्ष किये हैं, सब में कामयाबी पाई है।संगठन के सभी साथी गरिमा के साथ अपने पत्रकारिता के कर्तव्य का निर्वहन करें। इस अवसर पत्रकार अशरफ अली खां, सै . रईस अली, इजहार खां,रोहित गुप्ता, सुनील द्विवेदी,गुड्डू वर्मा, नौशाद खां, व सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव कार्यक्रम के व्यवस्थापक सहित अनेक स्थानीय पत्रकार मौजूद रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मजबूती के साथ पत्रकारों को संगठित करते हुए आगे बढ़ रहा है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बलिया। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जनपद बलिया की बैठक शनिवार को गुरूद्वारा रोड में हुई। इसमें संगठन को मजबूत करने के साथ ही सदस्यता अभियान चलाने पर विचार–विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार ने कहा कि ग्रापए संख्या बल के आधार पर उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है। उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मजबूती के साथ पत्रकारों को संगठित करते हुए आगे बढ़ रहा है। बाबू बालेश्वर लाल द्वारा लगाया गया पौधा अब वट वृक्ष बन गया है।

कहा कि ग्रापए पत्रकारों की आवाज को हमेशा बुलंद करता रहा है। किसी भी तरह की कोई समस्या हो तो सर्वप्रथम तहसील अध्यक्ष को सूचित करें। तत्पश्चात जिलाध्यक्ष को वस्तुस्थिति से अवगत करायें। संगठन पत्रकारों की समस्याओं का यथोचित समाधान कराने को प्रतिबद्ध है। इसके पहले एक दर्जन से अधिक पत्रकारों को फूल–मालाओं से स्वागत करते हुए ग्रापए में शामिल कराया गया। इस अवसर पर श्यामप्रकाश शर्मा, गुप्तेश्वर पाठक, मंजय सिंह, बसंत पांडेय, नवीन कुमार गुप्त, छोटेलाल चौधरी, अरविन्द तिवारी, अजय कुमार पांडेय, आतिश उपाध्याय, आनंद मोहन मिश्र, कन्हैया वर्मा, रोहित कुमार, जितेन्द्र कुमार, ब्रजेश दूबे, ज्ञानप्रकाश तिवारी, अरूण तिवारी, सुनील कुमार सरदासपुरी, कन्हैया तिवारी, सुनील शर्मा, धनेश पांडेय, संजय सिंह, मुकेश सिंह चौहान आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह तथा संचालन अनिल सिंह ने किया।

कोतवाली बीकापुर क्षेत्र में डीएम के निर्देश पर कब्र से शव निकालकर बच्चे का कराया गया पोस्टमार्टम

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के कोतवाली बीकापुर क्षेत्र मे सर्पदंश से करीब 2 माह पूर्व हुई बालक की मौत के मामले में जिला अधिकारी चंद्र विजय सिंह के आदेश पर शुक्रवार को तहसील प्रशासन एवं कोतवाली पुलिस ने शव को कब्र से खुदवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।मिली जानकारी के अनुसार बीकापुर कोतवाली अंतर्गत मोतीगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के नरहरपुर शंकरपुर मियागंज निवासी रबिकांत गौड़ के 9 वर्षीय पुत्र रुद्र की जहरीले सांप के काटने से 7 सितंबर 2024 को मौत हो गई थी। परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था तथा शव को दफन कर दिया गया था। मृतक बालक के पिता द्वारा जिलाधिकारी को मांग पत्र देकर दफन किए गए पुत्र के शव का पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की गई थी।

जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर शुक्रवार को कोतवाली पुलिस द्वारा कब्र की खुदाई करवा कर बालक के शव को बाहर निकला गया। बालक का शव पूरी तरह सड़ चुका था जो हड्डियों के ढांचे की शक्ल में कंकालनुमा था। कब्र से बालक के शव की खुदाई के दौरान वीडियोग्राफी भी करवाई गई। इस मौके पर नायब तहसीलदार बीकापुर रामखेलावन, सीओ बीकापुर सुरेंद्र सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर के चिकित्साधिकारी धर्मेंद्र रंजन, कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज, मोतीगंज पुलिस चौकी प्रभारी शीतला प्रसाद मिश्र सहित अन्य पुलिसकर्मी व राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

दान जैसा पुण्य दुनिया मे कुछ भी नहीं – सीमा द्विवेदी

सुजानगंज। क्षेत्र के राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महविद्यालय मे पंडित मुरलीधर पाठक के चौथे पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी ने कहा की इस समय समाज मे ऐसे बहुत लोग है जिनके पास बहुत पूजी है परन्तु वे दान पुण्य का कार्य नहीं करते. परन्तु कुछ लोग अपने आय का अधिकतर भाग दान दक्षिणा मे खत्म कर देते है. किसी भी पुत्र को अपने पिता के नाम को जिन्दा रखना सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होता है. प्रमोद जी द्वारा अपने पिता की पुण्यतिथि पर प्रत्येक वर्ष इस तरह के कार्य का आयोजन किया जाना प्रशंशा के काबिल है. इस मौके पर विधायक रमेश मिश्रा, रमेश सिंह, टी राम समेत कई वक्ताओ ने अपने विचार व्यक्त किया. वहीं दूसरी तरफ लोक गायक के रूप में उपस्थित अलका सिंह पहाड़िया और मनोहर सिंह ने अपने सुरों के माध्यम से उपस्थित जन समुह को मोहित कर दिया. इस अवसर पर स्नातक और स्नातकोत्तर मे उच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र और छात्राओं को पांच हजार रुपये प्रदान किया गया. और प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल मे 11000 छात्रों को नोट बुक और 4000 लोगो को कम्बल वितरित किया गया.इस मौके पर आयोजक प्रमोद पाठक ने कहा की मै पुरे जीवन काल मे ऐसा कार्य करता रहुगा. इस मौके पर उपस्थित जिलाधिकारी दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक अजयपाल शर्मा ने सभी छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर सुनील मणि त्रिपाठी, वारिस अली,अमरीश सिंह भोला,आनंद मणि त्रिपाठी, संजीव मणि त्रिपाठी सहित क्षेत्र के तमाम लोग उपस्थित रहे।

एसपी ने पेंशनर्स से पुलिस के साथ जुड़े रहने की अपील की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस अधीक्षक हरदोई द्वारा जनपद के समस्त थाना क्षेत्र के पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी आयोजित की गई व उनकी समस्याओं को सुना गया। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा उपस्थित सभी पेंशनर्स से पुलिस के साथ जुड़े रहने की अपील की गई तथा उनकी समस्याओं के निस्तारण हेतु अधिकारीगण को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सशक्त करने का निरंतर किया काम – डा. रीता बहुगुणा जोशी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्व. कमला बहुगुणा की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में किया गया. इसका संयोजन हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति द्वारा किया गया. ष्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है?ष विषय पर प्रतिभागियों ने अपने–अपने तर्क प्रस्तुत किए और महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की. इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार परिसर की विद्यार्थी अपेक्षा सिंह, द्वितीय पुरस्कार टीडी कॉलेज के आफताब एवं तृतीय पुरस्कार मेधा को मिला.कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया. कुलपति ने कहा कि नारी वंदन अधिनियम से महिलाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होगा.कार्यक्रम में ऑनलाइन संबोधन में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं को सशक्त करने के लिए निरंतर काम किया है. उनकी सोच है कि इस देश में महिला केंद्रित विकास नहीं बल्कि इस देश में महिला नेतृत्व वाला विकास होगा. बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसे प्रयास बड़े स्तर पर किये गए. महिलाओं को आरक्षण के प्रति युवा क्या सोचते है यह जानने के लिए देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. बहुत सारे छात्र आरक्षण के पक्ष में बोले और बहुत सारी छात्राएं आरक्षण के विरोध में बोल रही थी.आज का युवा तर्क के साथ अपनी बात को रख रहा है. उन्होंने कहा कि महिलाएं तीनों स्तंभ में 15 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है. विश्वविद्यालयों में जो जब रिजल्ट ते है तो अधिकांश गोल्ड मेडल छात्राएं लाती है. इनमें टैलेंट की कमी नहीं है अवसर की कमी है. मुख्य अतिथि जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि महिला आरक्षण का मैं पूरा समर्थन करता हूं .इस विषय पर सरकार ने सार्थक कदम उठाया है तो निश्चित रूप से इसके परिणाम सुखद होंगे. उन्होंने कहा कि अंतकरण में किसी काम को करने की जिज्ञासा न हो तब तक कुछ प्राप्त नहीं किया जा सकता. उन्होंने रामधारी दिनकर सिंह की एक कविता को भी सुनाया. विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने कहा कि महिला आरक्षण से हमारी मातृ शक्ति को एक मौका मिलेगा. उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति का अतीत बहुत स्वर्णिम रहा है उसको दृष्टिगत रखते हुए यह सरकार का साहसिक निर्णय है.

विशिष्ट अतिथि लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रोफेसर आरएन त्रिपाठी ने कहा कि प्रख्यात महिला नेत्री कमला बहुगुणा जी का जीवन नारी सशक्तिकरण की एक मिसाल है. वाद विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के तौर पर डॉ. महेंद्र त्रिपाठी,डॉ. मनोज वत्स एवं डॉ छाया सिंह रहीं। अतिथियों का स्वागत प्रो. अजय द्विवेदी ने आभार अभिषेक शुक्ल द्वारा किया गया. संचालन उद्देश्य सिंह ने किया. इस अवसर पर प्रो.मनोज मिश्र, प्रो देवराज सिंह, प्रो प्रमोद यादव, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ सुनील कुमार, डॉ रसिकेश, डॉ सुशील समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

धूम धाम से मनाया गया पारंपरिक छठ पूजा का पर्व

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तीन दिनों से जनपद में डाला छठ पूजा की धूम रही।डाला छठ का पर्व पूरे जनपद में धूमधाम से मनाया गया। शुक्रवार सुबह व्रती माताओं ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया। भगवान सूर्य की उपासना का महापर्व छठ पूजा के चौथे दिन जौनपुर में काफी हर्षोहल्लास के साथ मनाया गया। शहर से लेकर गांव तक सिर पर पूजा सामग्री और दउरा लेकर छठ पूजा घाटों पर जाते लोग दिखे। पीछे– पीछे ... कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए.., केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल झांके ऊंके..। गीतों की धुन लोग थिरकते नजर आए। जिले के गोपी घाट, अचला घाट, बीबीपुर घाट,बेलाव घाट सहित कई घाटों पर पर भक्तों का भारी मेला उमड़ी रही। वहीं सुबह होते ही भक्तों की भारी भीड़ इन घाटों पर उमड़ पड़ी है।

जहां व्रती महिलाओं ने पानी में खड़े होकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दी। साथ ही बेटे, पति की लंबी उम्र की मंगलकामना की। अरुणोदय पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाएं व्रत का पारण की। वहीं, घाटों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बुधवार

शाम से ही सुबह पूजा के लिए महिलाओं ने सारी तैयारियां कर रखी थी। अर्घ्य देने के लिए फलों को सूप या डलिया में 6, 12 या 24 की संख्या में सजाया गया है। इसमें संतरा, अन्नास, गन्ना, सुथनी, केला, अमरूद, शरीफा, नारियल, साठी के चावल का चिउड़ा, ठेकुआ आदि शामिल किया गया। शुक्रवार सुबह दूध, पानी और अन्य द्रव्य से उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया इसके बाद सुशोभिता की पूजा हुई। मंगलवार को नहाए–खाए के साथ छठ पूजा की शुरुआत हुई। इसके तहत व्रती महिलाओं ने नहाने के बाद चावल, चने की दाल और लौकी की सब्जी का भोजन किया। बुधवार को खरना था। इसमें उन्होंने साठी के चावल, गुड़ और गाय के दूध से बने खीर का सेवन किया। इसके बाद निर्जल व्रत की शुरुआत हुई। व्रती महिलाओं ने नदी या तालाब किनारे मिट्टी से सुशोभिता बनाई है। बेटों की लंबी उम्र के लिए व्रत रहती माताएं इस व्रत में शक्ति अर्थात माता षष्ठी एवं ब्रह्म अर्थात सूर्यदेव दोनों की उपासना होती है। इसलिए इसे सूर्यषष्ठी कहा जाता है। इस व्रत से जहां भगवान भास्कर समस्त वैभव प्रदान करते हैं, वहीं माता षष्ठी प्रसन्न होकर पुत्र देती हैं, साथ ही पुत्रों की रक्षा भी करती हैं।

राम कथा को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा, 5 हजार महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले में 10 नवंबर से शुरू हो रही राम कथा से पहले शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। आदि गंगा गोमती नदी के तट से कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। गोमती नदी से कलश में जल भरकर महिलाओं ने यात्रा शुरू किया। यात्रा गोपी घाट से निकलकर चहारसू चौराहा, ओलनगंज, पॉलिटेक्निक चौराहा, वाजिदपुर तिराहा होते हुए बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में स्थित पंडाल में पहुंचकर समाप्त हुई।

इस दौरान कलश यात्रा की भव्यता देखते ही बन रही थी। आकर्षक झांकी को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। इस ऐतिहासिक कलश यात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा जिला राममय हो गया। महिलाएं सर पर कलश लेकर चल रही थीं। कलश यात्रा के आगे आगे आकर्षक झांकियां चल रही थी जिसे लोग अपने कमरों में कैद करते नजर आए। कलश यात्रा के बीच में अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक प्रेमभूषण जी महाराज सजी हुई कर में चल रहे थे उनके ठीक पीछे खुली जीत में राम कथा के प्रायोजक को भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह भी जनता से हाथ जोड़कर राम कथा में आने की अपील कर रहे थे। लगभग पांच हजार महिला श्रद्धालु कलश यात्रा में शामिल हुई थीं। जगह जगह राम भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान पंडाल में 11 ब्राह्मणों द्वारा विधिवत मंत्रोचारण के बीच कलश स्थापना किया गया। इस अवसर पर राम कथा के मुख्य यजमान और वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि रविवार शाम 3:00 बजे से 6:00 बजे तक राम कथा का आयोजन किया गया है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज द्वारा अपने भक्तों को राम कथा का रसपान कराया जाएगा ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर भगवान राम की कथा का अनुसरण करें और अपने जीवन को सफल बनाएं। इस दौरान उन्होंने जौनपुर के जनता से अपील किया कि पंडाल में समय से पहले पहुंचने का प्रयास करें ताकि सभी श्रद्धालु सुंदर कथा का रसपान कर सके।

एक्शन में डिप्टी सीएम, सीएचसी कर्मियों पर गिराई गाज वेतन रोका... जवाब किया तलब

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर काफी संजीदा नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने सीतापुर के हरगांव सीएचसी के वायरल वीडियो का संज्ञान लिया। सीएचसी कर्मियों का वेतन रोकने के साथ ही स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही इनको वहां से हटा दिया गया है। इनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज होगा। मामला सीतापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हरगांव के ओटी कक्ष का है। यहां एक महिला का नसबंदी से संबंधित वीडियो सामने आया। इसका डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संज्ञान लिया है। संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। डिप्टी सीएम ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण मांगा

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि केंद्र अधीक्षक डॉ. नीतेश वर्मा को वहां से हटाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, एलिया भेज दिया गया है। एक माह का वेतन रोका गया है। तीन दिन में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. गोविंद का भी एक माह का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है।

मुकदमा दर्ज करके की जा रही वैधानिक कार्रवाई

साथ ही स्टाफ नर्स राधा वर्मा, वार्ड आया कल्पना को हरगांव केंद्र से हटा दिया गया है। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कसमंडा भेजा गया है। साथ ही एक माह का वेतन रोका गया है। इनसे भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। ट्रेनी फार्मासिस्ट सत्यप्रकाश एवं अतुल अवस्थी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराकर दोनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अखिलेश यादव ने नोटबंदी को किया याद, बोले– काले रंग से लिखा जाएगा ये अध्याय

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी की आठवीं सालगिरह पर कहा कि इतिहास में ये अध्याय काले रंग से लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे–का–पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा। आज नोटबंदी की 8वीं सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही, कल रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। जनता पूछ रही है क्या ये नोटबंदी की नाकामयाबी की वजह से हुआ या भाजपा की नकारात्मक नीतियों की वजह से। अब

क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि देश के इतिहास में रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर 'रिकार्डतोड़' नहीं गिरा है बल्कि डॉलर ऊपर उठा है। भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। रुपया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे–का–पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा। आज नोटबंदी की 8वीं सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही, कल रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। जनता पूछ रही है क्या ये नोटबंदी की नाकामयाबी की वजह से हुआ या 2016 में की गई नोटबंदी में 500 और एक हजार के नोट बंद कर दिए गए थे। इसके बाद 2000 के नोट चलन में आए थे लेकिन बाद में इन्हें भी बंद कर दिया गया।

इलेक्ट्रानिक मीडिया और मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश सेमीफाइनल में

लखनऊ, संवाददाता। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश की टीमों ने जीत दर्ज करते हुए इकाना मीडिया टी–20 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दूरदर्शन–आकाशवाणी को 83 रन और मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश ने दैनिक जागरण को छह विकेट से हराया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए पहले मुकाबले में दैनिक जागरण ने नौ विकेट पर 120 रन बनाए। प्रहलाद मावड़ी ने 31 और अंकुर दीक्षित और श्यामू ने 28–28 रन बनाए। राघवेंद्र पांडेय ने तीन और दिनेश त्रिपाठी ने दो विकेट लिए। जवाब में मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश ने 16 ओवर में चार विकेट खोकर 123 रन बना कर जीत दर्ज की। वैभव ने 42 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 55 रन बनाए, जबकि विक्रम श्रीवास्तव ने नाबाद 29 रन बनाए। विकास मिश्रा को दो विकेट मिले। दूसरे मुकाबले में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने तीन विकेट पर 145 रन बनाए। देवेश पांडेय ने 42 और मयूर शुक्ला ने 32 रन बनाए। जितेंद्र, शैलेंद्र और रवि सिन्हा ने एक–एक विकेट लिए। जवाब में दूरदर्शन–आकाशवाणी की टीम 14.5 ओवरों में 62 रनों पर ही सिमट गई। भोले राम ने सबसे अधिक 20 रन बनाए।

केंद्रीय मंत्री बोले– कांग्रेस ने किया था आरक्षण का विरोध, सरदार पटेल के परिवार को सहारा तक न दिया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में शुक्रवार को केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी पहुंचे। यहां सरदार पटेल जयंती समारोह में हिस्सा लिया। समारोह राजकीय इंटर कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसे सरदार मिशन पटेल द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया। कहा कि आजादी के बाद मोदी सरकार ने पिछड़ों और अनुसूचित जाति के लिए काम किया है। कांग्रेस सरकार ने तो आरक्षण का विरोध किया था। जब आरक्षण की बात आई तो तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर इसका विरोध किया था। सरदार पटेल के परिवार को भी सहारा नहीं दिया गया। उनके परिवार को गुजरात के अहमदाबाद में सहारा लेना पड़ा।

केंद्र सरकार में 60 फीसदी मंत्री पिछड़े व अनुसूचित जाति से...

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपने रहते हुए एक झोला छोड़ा था। इसमें चंदे के 35 लाख रुपये थे।

यह झोला तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपा गया। लेकिन, फिर भी उनके परिवार के बारे में नहीं सोचा गया। मंत्री ने मंडल कमीशन समेत कई बातों का जिक्र करते हुए कहा कि आज केंद्र सरकार में 60 फीसदी मंत्री पिछड़े व अनुसूचित जाति से हैं।

कई तीर्थ स्थानों का विकास हुआ

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार पटेल के सपने पूरे कर रहे हैं। उदाहरण देते हुए कहा कि सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और कई तीर्थ स्थानों का विकास हुआ है।

कार्यक्रम में यह लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में मौजूद जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने कहा कि सरदार पटेल ना होते तो आज देश कई हिस्सों में बंटा होता। राज्यों को जाने के लिए भी वीजा की जरूरत पड़ती। इस मौके पर अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, एमएलसी अवनीश सिंह पटेल, भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय, पूर्व सांसद उपेंद्र सिंह रावत, विधायक साकेंद्र प्रताप सिंह, महराजगंज के विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

पुरुष टेलर नहीं ले सकेंगे महिलाओं के कपड़ों की माप

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने और उन्हें बैड टच से बचाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक प्रस्ताव दिया है। इसके तहत प्रदेश में अब पुरुष टेलर महिला कपड़े सिलने के लिए महिलाओं की नाप नहीं ले सकेंगे। इसके लिए महिला टेलर रखना होगा। वहीं, जिम में भी महिलाओं के लिए अलग से महिला ट्रेनर रखने का प्रस्ताव दिया गया है। आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान ने कहा कि यह प्रस्ताव महिलाओं की सुरक्षा और उनके रोजगार के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। मेरा अनुरोध है कि जिम में महिलाओं के लिए महिला ट्रेनर और महिलाओं की नाप लेने के लिए महिला टेलर ही रखी जाए। उन्होंने कहा कि पहले ब्यूटी पार्लर में सिर्फ महिला कर्मचारी ही होती थीं पर अब पुरुष कर्मचारी भी होने लगे हैं। यहां तक कि आज ब्राइडल मेकअप भी पुरुष कर्मचारी कर रहे हैं। मैं बस इतना चाहती हूं कि अगर किसी महिला को पार्लर में पुरुष कर्मचारी की सेवाएं लेनी हैं तो उसे इस बात को लिखकर देना होगा।

उन्होंने प्रस्ताव दिया कि पार्लर, जिम और टेलर के यहां पुरुष कर्मचारी होने पर इसका सत्यापन पुलिस द्वारा किया जाए। उन्होंने कहा कि यह एक प्रस्ताव है जिसका आयोग के सभी सदस्यों ने समर्थन किया है।

बता दें कि 28 अक्तूबर को हुई आयोग की एक बैठक में महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण को लेकर सभी जिलाधिकारियों को महिला जिम, योगा सेंटर, विद्यालयों, नाट्य कला केंद्रों, बुटीक सेंटर और कोचिंग सेंटर पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि महिला जिम और योगा सेंटर में महिला ट्रेनर का होना अनिवार्य है। साथ ही महिला जिम का सत्यापन भी होना चाहिए। ऐसे सेंटर में सीसीटीवी सक्रिय होना चाहिए और अभ्यर्थियों को पहचान पत्र देखकर ही प्रवेश दिया जाए। आयोग ने निर्देश दिए कि विद्यालयों की बसों में महिला सुरक्षाकर्मी या महिला शिक्षिका का होना अनिवार्य है। नाट्य कला केंद्रों में महिला डांस ट्रेनर और सीसीटीवी की व्यवस्था होनी चाहिए। बुटीक सेंटर पर महिला परिधानों की नाप लेने के लिए महिला टेलर ही होना चाहिए। कोचिंग सेंटर पर सीसीटीवी और वाशरूम की सुविधा होना अनिवार्य है। महिला परिधानों के बिक्री केंद्रों पर महिला कर्मचारियों का होना आवश्यक है।

इंस्पेक्टर पति को जेठानी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा

लखनऊ, संवाददाता। महिला उप निरीक्षक ने इंस्पेक्टर पति पर जेठानी से अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है। जेठ पर अश्लीलता करने और पति पर गला दबाकर उनकी हत्या की कोशिश का भी आरोप लगाया है। मामले में महानगर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। महिला उप निरीक्षक के मुताबिक उनके पहले पति की मृत्यु हो चुकी है। उनसे उन्हें एक बेटा है। तीन साल पहले उन्होंने एक इंस्पेक्टर से शादी की थी, जो लखनऊ मेट्रो में तैनात है। उन्होंने बताया कि वह पति, बेटा और जेठ–जेठानी के साथ रहती थीं। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही पति का व्यवहार बदल गया। पीड़िता के मुताबिक 21 सितंबर की रात करीब 11.45 बजे कमरे में आरोपी पति जेठानी के साथ आपत्तिजनक हालत में लेटा हुआ था। विरोध पर जेठानी और उसके पति ने उनका गला दबाकर मारने की कोशिश की। फिर जेठ उनके बाल पकड़कर घसीटते हुए कमरे में ले गया और अश्लीलता की। पति ने अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी। बेटा छीनकर उन्हें घर से भगा दिया। अगले दिन जब पीड़िता के पिता व मां आईं तो उनकी भी पिटाई कर दी। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्रा के मुताबिक मामले की तफ्तीश की जा रही है।

जून 2025 तक पूरा नहीं हो पाएगा राम मंदिर का निर्माण

लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के तीसरे दिन निर्धारित समय के अनुसार सभी निर्माण और रामजन्मभूमि परिसर में सुंदरीकरण का काम पूरा करने पर चिंतन–मंथन हुआ। समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि मंदिर के परकोटा में 8.5 लाख घन फीट वंशीपहाड़पुर लाल पत्थर की आवश्यकता है। श्रमिकों की संख्या कम होने से काम प्रभावित हो रहा है। 200 श्रमिक कम हैं। उन्होंने कहा कि जून 2025 तक सभी काम पूरा करने का लक्ष्य अब पूरा होता नहीं दिख रहा है। तीन माह और लगेगा। सभी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। हजारों श्रद्धालुओं के जूता–चप्पल रखने के लिए स्थान चयनित कर लिया गया है, उस पर भवन का निर्माण इसी सप्ताह शुरू कर दिया जाएगा।

प्रथम तल पर लगे कमजोर पत्थर निकाले जाएंगे

रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर के प्रथम तल पर कुछ पत्थर ऐसे लग गए हैं, जिनकी मोटाई कम है। गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। बताया जा रहा है कि ये पुराने पत्थर हैं। अब इन पत्थरों को निकालकर इनके स्थान पर मकराना के पत्थर लगाए जाएंगे। यह निर्णय राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के पहले दिन लिया गया है। समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने इसका खुलासा किया है। बताया कि जिन पत्थरों की मोटाई कम है, उन्हें बदल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 800 मीटर लंबे परकोटा में रामकथा आधारित 80 म्यूरल यानी भित्ति चित्र बनाए जाने हैं। ये सभी म्यूरल कांस्य पर बनने हैं। इन्हें पत्थरों पर चिपकाया जाएगा। इनमें से 10 म्यूरल बनकर आ गए हैं। एक म्यूरल लगा भी दिया गया है।

नो पार्किंग से फिर उठाए जाएंगे वाहन, जाम से मिलेगी राहत

लखनऊ, संवाददाता। नो पार्किंग में खड़े वाहन सुगम यातायात की राह में अड़ंगा लगा रहे हैं। बावजूद इसके यातायात पुलिस छह महीने से इन पर कार्रवाई नहीं कर रही है। ऐसे में अब करीब दो साल बाद नगर निगम फिर से नो पार्किंग से गाड़ियां उठाएगा। इस काम के लिए निजी कंपनी को ठेका दिया जाएगा। छह नवंबर को आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रापोजल) भी जारी कर दिया गया, जिसे 30 नवंबर को खोला जाएगा। एक महीने में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर नो पार्किंग से गाड़ियों को उठाकर जुर्माना वसूलने का काम शुरू कर दिया जाएगा। जुर्माने की रकम में ठेकेदार, नगर निगम और यातायात पुलिस की हिस्सेदारी रहेगी। पहले चरण में आठों जोनों में दो–दो क्रेनें लगाई जाएंगी। ठेकेदार अपनी क्रेन लाएगा और उसका खर्च भी वही उठाएगा। नगर निगम ने इस बार तीन पहिया वाहनों के लिए भी जुर्माने की दर तय की है। जुर्माने की रकम में 50 प्रतिशत ठेकेदार लेगा। 30 फीसदी नगर निगम और 20 प्रतिशत रकम पुलिस को मिलेगी। ठेकेदार का नगर निगम की नौ क्रेनों का प्रति क्रेन 50 हजार रुपये महीना व अपनी आठ क्रेनों का प्रति क्रेन 30 हजार रुपये महीना शुल्क तय था। उसे हर महीने 6.90 लाख रुपये नगर निगम में जमा कराने होते थे। चार पहिया वाहन से वसूले जाने वाले 1500 रुपये जुर्माने में से 1000 रुपये ठेकेदार और 500 रुपये ट्रैफिक पुलिस को मिलते थे। दो पहिया वाहन से वसूले जाने वाले 800 रुपये जुर्माने में से 500 रुपये ट्रैफिक पुलिस को और 300 रुपये ठेकेदार को मिलते थे। अब यह व्यवस्था बदली गई है।

विवाद के चलते काम बंद करने की चर्चा

पुलिस ठेका देकर नो पार्किंग से गाड़ियां उठवा रही थी। इससे उसे महीने में लाखों की कमाई हो रही थी। उधर, आय घटने व सिफारिश पर गाड़ियां छूटना बंद होने पर पार्षदों ने सदन में पुलिस से काम वापस लेने का प्रस्ताव पास किया। हालांकि, पुलिस ने नियमों का हवाला देते हुए इससे इन्कार कर दिया। छह महीने पहले पुलिस ने अचानक गाड़ियां उठवाने का काम बंद कर दिया। इसे लेकर कोई सूचना भी नहीं जारी की। चर्चा है कि विवाद होने पर पुलिस ने ऐसा किया। यातायात को सुगम बनाने के लिए नो पार्किंग से वाहन उठाने का काम शुरू होगा। इसके लिए कंपनियों से टेंडर मांगे गए हैं। 30 को टेंडर खुलेगा। 18 को प्रीबिड खुलेगी। टेंडर फाइनल हुआ तो दिसंबर से सख्ती शुरू हो जाएगी।

यूपी विधानसभा के विशेष सचिव की सड़क हादसे में मौत

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या के पटरंगा थाना क्षेत्र के गनौली के पास सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सचिव बृजभूषण दुबे (52) की मौत हो गई। जबकि उनके बेटे कृष्णा दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना गुरुवार रात 12:30 बजे उस समय हुई, जब वे बस्ती से अयोध्या होते हुए लखनऊ जा रहे थे। पटरंगा व भेलसर प्रतिनिधि के अनुसार बृजभूषण दुबे का बेटा कृष्णा कार चला रहा था। गोरखपुर–लखनऊ हाईवे पर गनौली के पास ओवरटेक करने के दौरान कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में आ गई। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पटरंगा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सीएचसी रुदौली पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने बृजभूषण दुबे को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल उनके बेटे कृष्णा का उपचार शुरू किया। रात में ही सीएचसी रुदौली पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, एसडीएम प्रवीण यादव, सीओ आशीष निगम, पटरंगा थाना प्रभारी शशिकांत यादव व रुदौली कोतवाल संजय मौर्य पहुंच गए।

परिवार में शोक की लहर

सीओ आशीष निगम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है। बृजभूषण बस्ती जिले के पैकोलिया थाना क्षेत्र स्थित सुरेखा खास गांव के निवासी थे। हादसे की खबर से परिवार में शोक की लहर है। पटरंगा थाना प्रभारी शशिकांत यादव ने बताया कि मृतक विशेष सचिव बस्ती के पैकोलिया थाना क्षेत्र के सुरेखा खास गांव से अपने बेटे कृष्णा दुबे के साथ अयोध्या होते हुए लखनऊ जा रहे थे। गनौली के पास हादसे का शिकार हो गए।

कार में लगे एयर बैग भी नहीं बचा सके विशेष सचिव की जान

लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर पटरंगा थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में विशेष सचिव बृजभूषण दुबे की जान कार में लगे एयर बैग भी नहीं बचा पाए। हादसा इतना भीषण था कि कार का बायां हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके दोनों तरफ लगे एयर बैग खुले पड़े हुए थे। इसके बाद भी वे कार में सवार विशेष सचिव को सुरक्षित करने में नाकाम रहे।

संक्षिप्त खबरें

डीजे पर नाचने को लेकर मनबढ़ युवकों ने बारातियों को पीटा, कई घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के रमदत्तपुर गांव में गुरुवार की रात को डीजे पर नाचने को लेकर मनबद युवकों ने बारातियों को पीटा।जिसमे कई बाराती घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गयी।पुलिस के पहुंचने पर मामला शांत हुआ। ऊक्त गांव निवासी राजबहादुर की पुत्री रीना की शादी वाराणसी के फूलपुर थाना क्षेत्र के थाने रामपुर गांव निवासी दरोगा पुत्र स्वर्गीय इंद्रजीत तय थी।बारात समय पर आ गयी।जब बाराती डीजे के साथ नाचते हुए द्वारचार लगाने जा रहे थे।उसी दौरान आसपास के कुछ दबंग किस्म के युवक डीजे पर फरमाइशी गाना बजवाने लगे।इसके साथ ही बारातियों को हटाकर खुद नाचने लगे।जब बारातियों ने विरोध किया तब उन लोगों ने बारातियों को मारना पीटना शुरू कर दिया।मारपीट में कई लोग घायल हो गए।लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दिया।पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गयी।पुलिस को देखकर आरोपी भाग निकले।हालांकि की दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

लोहिया अस्पताल में वृद्धा के जेवर ले उड़ा टप्पेबाज

लखनऊ, संवाददाता। लोहिया अस्पताल में इलाज कराने आईं मोहनलालगंज के भीलमपुर निवासी वृद्धा हेदाना देवी के जेवर टप्पेबाज ले उड़ा। पीड़िता के पति अयोध्या प्रसाद ने रविवार को विभूतिखंड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अयोध्या प्रसाद के मुताबिक, 21 अक्तूबर को पत्नी हेदाना का इलाज कराने लोहिया अस्पताल गए थे। डॉक्टर को दिखाने के बाद पत्नी को पुरानी ओपीडी के नीचे बैठाकर दवा लेने गए थे। तभी चिनहट का हरादासी खेड़ा निवासी गुरु यादव पत्नी के पास पहुंचा। आरोपी ने कहा कि तुम्हें डॉक्टर ने जांच के लिए बुलाया है। इसलिए जेवर मुझे दे दो। झांसे में आईं हेदाना देवी ने सोने का टप्स, लॉकेट, चेन और पायल उतारकर उसे दे दी। इस बीच सुरक्षाकर्मी ने टप्पेबाज को पहचान लिया। शोर मचाने पर आरोपी भाग निकला। सुरक्षाकर्मी ने बताया कि आरोपी पहले भी टप्पेबाजी कर चुका है। इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह के मुताबिक अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

कैंसर से पीड़ित किसान की संदिग्ध हालात में मौत

लखनऊ, संवाददाता। भदराही गांव निवासी किसान अवधेश (50) की बृहस्पतिवार को संदिग्ध हालात मौत हो गई। पत्नी ने परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। करीब दस साल से विवाद के चलते किसान की पत्नी बबली मायके में रह रही थीं। बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे अवधेश की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। जानकारी पर सुसराल पहुंची बबली ने हंगामा किया और पुलिस को सूचना दे दी। बबली ने परिजनों पर पति की हत्या करने का आरोप लगाया। इंस्पेक्टर के मुताबिक अवधेश पांच वर्षों से कैंसर से पीड़ित थे। चार माह पहले केजीएमयू में उनका ऑपरेशन भी हुआ था। इसी बीमारी के चलते बृहस्पतिवार को उनकी मौत हो गई। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

चाकू लेकर महिला ने पुलिस चौकी के बाहर बनाई रील

लखनऊ, संवाददाता। पारा की हंसखेड़ा चौकी के बाहर बॉलीवुड गाने पर महिला ने चाकू लहराते हुए वीडियो बनाया और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया। शुक्रवार दोपहर महिला का 53 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस भी दंग रह गई। वीडियो में महिला चौकी के अलावा स्कूटी पर सवार होकर कमर में चाकू लगाए नजर आई। फिर स्कूटी रोककर कमर से चाकू निकालकर हवा में लहराया। पुलिस ने आईडी की मदद से छानबीन शुरू की तो पता चला कि वीडियो बनाने वाली महिला कांशीराम कॉलोनी हिमांशी यादव है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। एडीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल निरोधात्मक कार्रवाई की गई। परिजनों को दोबारा ऐसी हरकत न करने की हिदायत दी गई है।

सऊदी में युवक को डेढ़ माह तक रखा बंधक, वसूले 85 हजार

लखनऊ, संवाददाता। नौकरी का झांसा देकर युवक को बदमाशों ने सऊदी अरब में डेढ़ माह तक बंधक बनाए रखा। रिहा करने के बदले उसके घरवालों से 85 हजार रुपये वसूल लिए। भारतीय दूतावास ने सऊदी पुलिस की मदद से युवक को बचाकर वतन वापसी कराई। पीड़ित की मां ने चार लोगों के खिलाफ मोहनलालगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कैंट के सदर निवासी रेशमा के मुताबिक डेढ़ माह पहले बेटे अनस की मुलाकात मोहनलालगंज के भदेसुआ गांव निवासी मन्नी और उसकी बेटी सहाना से हुई थी। मन्नी ने बताया था कि उसका पति शमीम सऊदी में काम करता है। वह अनस की भी नौकरी लगवा देगा। हामी भरने पर शमीम ने अनस को टूरिस्ट वीजा पर सऊदी बुला लिया। वहां शमीम और उसके साथी आशीष यादव ने रेगिस्तान में बने एक कमरे में अनस को बंधक बनाकर रुपये व पासपोर्ट छीन लिया। छोड़ने के बदले रेशमा से 85 हजार रुपये वसूल लिए। पर रिहा नहीं किया। बल्कि और डेढ़ लाख रुपयों की मांग करने लगे। डेढ़ माह बाद अनस किसी तरह बचकर भाग निकले और रियाद निवासी रिश्तेदार को कॉल की। रिश्तेदार ने भारतीय दूतावास के अधिकारियों को सूचना दी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।